दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना
आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शुक्रवार 07 फरवरी 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 130

हादसा नहीं साजिश थी महाकुंभ भगदड़! एटीएस के रडार पर 10 हजार संदिग्ध; सुरक्षा एजेंसियां कर रही जांच

प्रयागराज । आरएनएस

प्रयागराज में महाकुंभ भगदड़ की जांच अब साजिश की ओर मुड़ रही है। यूपी और केंद्र सरकार की एजेंसियां इसे हादसा नहीं, साजिश मानकर जांच कर रही हैं। यूपी में राष्ट्रीय जांच एजेंसी , एंटी-टेररिस्ट स्क्वॉड , स्पेशल टास्क फोर्स और लोकल इंटेलिजेंस यूनिट के रडार पर 10 हजार से ज्यादा लोग हैं। सबसे ज्यादा ष्ट्रर और ह्रक्रष्ट के प्रदर्शनकारी हैं। महाकुंभ में इनमें से कई का मूवमेंट मिला है।

जांच में ऐसे गैर हिंदू हैं, जिनके सोशल मीडिया अकाउंट पर महाकुंभ को लेकर निगेटिव कमेंट किए गए या फिर उन्होंने गूगल और यूट्यूब पर महाकुंभ को बहुत ज्यादा सर्च किया। इनकी भूमिका की भी जांच ् रञ्जस् और स्ञ्जस्न कर रही हैं। 18 जेलों में कैद ककस्नढ्ढ सदस्यों से भी पूछताछ हो रही है।

एक अफसर ने बताया कि महाकुंभ में 45 करोड़ लोगों को आना था। बड़ा आयोजन था, इसलिए महीनों पहले से खुफिया एजेंसियां एक्टिव थीं। इंटेलिजेंस ने क्रिमिनल हिस्ट्री व प्रदेश सरकार के खिलाफ बड़े प्रदर्शन करने वाले लोगों पर इनपुट दिए थे। इसके आधार पर यूपी के 1 लाख से ज्यादा लोगों का वेरिफिकेशन कराया गया।

उन्हें समझाया गया और मैसेज दिया गया कि महाकुंभ के दौरान प्रयागराज की तरफ मूवमेंट नहीं करें। इसके बावजूद भगदड़ होने के बाद जांच में पाया गया कि इनमें से कुछ का मूवमेंट महाकुंभ में हुआ। इसे ऐसे समझ सकते हैं कि सिर्फ वाराणसी और आसपास के 10 जिलों के 16 हजार लोगों को महाकुंभ से पहले ही काशी के बाहर मूवमेंट करने से मना किया गया।

लेकिन, 117 लोगों का मूवमेंट काशी के बाहर मिला। इनमें 50 से ज्यादा लोग प्रयागराज भी पहुंचे थे। ये सभी हिंदू धर्म से नहीं हैं। जब लोगों से पूछताछ हुई, तब उन्होंने अपने मूवमेंट के पीछे अलग-अलग कारण बताए। ऐसे ही दूसरे शहरों में संदिग्ध माने गए लोगों से एजेंसियों ने पूछताछ शुरू कर दी है कि मना करने के बाद अपने शहर से बाहर क्यों गए।

एमपी में वायुसेना का लड़ाकू विमान क्रैश, बाल-बाल बचे दोनों पायलट

भोपाल । आरएनएस

मध्य प्रदेश के शिवपुरी में एयरफोर्स का एक फाइटर प्लेन क्रैश होकर खेतों में जा गिरा और जलकर खाक हो गया है। हालांकि, फाइटर प्लेन में सवार दोनों पायलट पूरी तरह से सुरक्षित हैं। वायुसेना ने हादसे की वजह सिस्टम में खराबी आने को बताया है।

विमान के क्रैश होने से पहले दोनों पायलटों ने खुद को विमान से इजेक्ट (झटके से बाहर निकलना) कर लिया था। जिसकी वजह से दोनों पायलट सुरक्षित रहे, हालांकि उन्हें मामूली चोटें आई हैं। उन्हें ले जाने के लिए मौके पर एयरफोर्स का हेलीकॉप्टर पहुंचा, जिसके बाद दोनों को ग्वालियर ले जाया गया। घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। उन्होंने घायल दोनों पायलटों को वहां से दूर करते हुए सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। इस बारे में जानकारी देते हुए रक्षा अधिकारी ने कहा कि दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का आदेश दिया जा रहा है, साथ ही अधिक जानकारी का इंतजार है।

वहीं इस बारे में 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए एयरफोर्स ने बताया, 'भारतीय वायुसेना का एक मिराज 2000 विमान आज नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान सिस्टम में खराबी आने के बाद शिवपुरी (ग्वालियर) के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दोनों पायलट सुरक्षित बाहर निकल आए। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए वायुसेना ने जांच के आदेश दे दिए हैं।' घटना के बाद घायल पायलट की तस्वीर भी सामने आई है, जिसमें वह मोबाइल पर किसी से बात करते दिख रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय

डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका, दूसरी बार रोका गया जन्म से नागरिकता खत्म करने वाला आदेश

वॉशिंगटन। मेरीलैंड की एक फेडरल जज ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जन्मसिद्ध नागरिकता समाप्त करने वाले कार्यकारी आदेश पर अनिश्चितकाल के लिए रोक लगा दी है। इसका उद्देश्य अवैध अप्रवासियों और अस्थायी वीजा वाले विदेशी विजिटर्स की जन्मसिद्ध नागरिकता को समाप्त करना था। मैरीलैंड के यूनाइटेड स्टेट्स डिस्ट्रिक्ट कोर्ट की जज डेबोरा एल बोर्डमैन ने बुधवार को सुनवाई के बाद ट्रंप के आदेश को रोकने के लिए नागरिक अधिकार समूहों द्वारा दायर याचिका पर एक अस्थायी निरोधक आदेश जारी किया है। रिपोर्ट के अनुसार, यह आदेश राष्ट्रीय स्तर पर लागू होता है। द वॉशिंगटन पोस्ट के अनुसार, मैरीलैंड का मुकदमा ट्रंप के आदेश के खिलाफ कम से कम छह अलग-अलग संघीय मामलों में से एक है, जिसे कुल 22 डेमोक्रेटिक नेतृत्व वाले राज्यों और आधा दर्जन से अधिक नागरिक अधिकार समूहों द्वारा दायर किया गया। ट्रंप ने 20 जनवरी को राष्ट्रपति का पदभार ग्रहण करने के कुछ घंटों बाद ही जन्मसिद्ध नागरिकता समाप्त करने वाले आदेश पर हस्ताक्षर किए थे। उन्होंने फेडरल एजेंसियों को 19 फरवरी के बाद पैदा हुए बच्चों (अगर माता-पिता में से कोई भी अमेरिकी नागरिक या स्थायी निवासी नहीं है) के लिए नागरिकता की मान्यता रोकने का निर्देश दिया था।

इजरायली हमलों में गाजा के 226 पुरातात्विक स्थल क्षतिग्रस्त, फिलिस्तीनी मंत्रालय का आरोप - हमारी पहचान मिटाने की कोशिश

रामल्ला। इजरायली हमलों ने गाजा में 226 पुरातात्विक स्थलों को नुकसान पहुंचाया है। इन स्थलों की मरम्मत में 261 मिलियन यूरो की लागत आने का अनुमान है। फिलिस्तीनी पर्यटन और पुरावशेष मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। मंत्रालय ने बुधवार को अपनी रिपोर्ट में बताया कि गाजा के 138 सांस्कृतिक विरासत स्थलों को भारी नुकसान हुआ। 61 को मध्यम नुकसान हुआ और 27 को कम नुकसान हुआ। 90 स्थलों को कोई नुकसान नहीं हुआ और वे सुरक्षित हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मंत्रालय ने इजरायली बलों पर जानबूझकर ऐतिहासिक स्थलों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उसने कहा कि ये स्थल फिलिस्तीनी राष्ट्रीय पहचान के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। मंत्रालय ने सांस्कृतिक विरासत संरक्षण केंद्र के साथ मिलकर गाजा में सांस्कृतिक विरासत स्थलों को नुकसान और जोखिमों की सूची नामक एक रिपोर्ट जारी की। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय की टीम के साथ मिलकर एक साल में 13 फिलिस्तीनी विशेषज्ञों ने एक रिपोर्ट तैयार की। इस रिपोर्ट में गाजा के 316 सांस्कृतिक विरासत स्थलों की जांच की गई। इसमें पुरातात्विक स्थल, ऐतिहासिक भवन, संग्रहालय, धार्मिक स्थल, कब्रिस्तान, सांस्कृतिक दृश्य, प्राकृतिक स्थल और लैंडमार्क शामिल हैं। यह जानकारी पर्यटन और पुरावशेष मंत्री हानी अल-हायेक ने दी थी।

वाशिंगटन विमान दुर्घटना में सभी 67 मृतकों के अवशेष मिले

वाशिंगटन। पिछले हफ्ते वाशिंगटन में हुए यात्री विमान और हेलीकॉप्टर के बीच टकराव में मारे गए सभी 67 लोगों के अवशेष बचाव दल ने बरामद कर लिए हैं। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, इनमें से 66 मृतकों की पहचान की जा चुकी है। संयुक्त कमांड ने बताया कि उनकी टीमें अब भी दुर्घटनाग्रस्त विमान के मलबे को पोटोमैक नदी से हटाने में जुटी हैं। बड़े हिस्सों को निकालने के लिए मंगलवार रात तक काम जारी रहेगा। बुधवार को, जब पर्यावरण और ज्वार की स्थिति अनुकूल होगी, तब मलबा हटाने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। इसके बाद ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर के बचे हुए हिस्से को निकालने का काम शुरू होगा। यह दुर्घटना तब हुई जब बुधवार रात एक यात्री विमान, जिसमें 64 लोग सवार थे, वाशिंगटन के रोनाल्ड रीगन नेशनल एयरपोर्ट पर उतरते समय सेना के हेलीकॉप्टर से टकरा गया। दोनों विमान पोटोमैक नदी में गिर गए। हेलीकॉप्टर में तीन अमेरिकी सैनिक मौजूद थे। यह 1982 के बाद वॉशिंगटन में हुई सबसे भीषण विमान दुर्घटना मानी जा रही है। इस हादसे की जांच अमेरिकी राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड कर रहा है। गुरुवार को वाशिंगटन के दमकल प्रमुख जॉन डॉनेली ने बताया कि अब बचाव अभियान को राहत और शव बरामदगी अभियान में बदला जा रहा है, क्योंकि इस दुर्घटना में किसी के जीवित बचने की संभावना नहीं है।

बीकानेर कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

सांडों की लड़ाई में मृत व्यक्ति के परिवार को 33.22 लाख रुपए मुआवजा देने का आदेश, सरकार को माना दोषी

बीकानेर । आरएनएस

बीकानेर डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने एक अहम फैसले में राज्य सरकार और पंचायत समिति को आवारा पशुओं की समस्या पर लापरवाही के लिए दोषी ठहराया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि आवारा पशुओं को नियंत्रित करना प्रशासन की जिम्मेदारी थी, जिसमें विफलता के कारण एक निर्दोष व्यक्ति की जान गई। इस आधार पर, मृतक आसाराम सुथार के परिजनों को 33.22 लाख रुपए मुआवजा देने का आदेश दिया गया है।

कोर्ट के फैसले के प्रमुख बिंदु :

सरकार और पंचायत समिति की लापरवाही : कोर्ट ने कहा कि आवारा पशुओं को गौशालाओं में रखना और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार और पंचायत समिति की जिम्मेदारी थी, जो सही ढंग से नहीं निभाई गई।

आश्रितों के अधिकारों की रक्षा : मृतक की वार्षिक आय के आधार पर आश्रितों की आर्थिक स्थिति का आकलन किया गया, जिससे उन्हें न्याय दिलाने के लिए 33.22 लाख रुपए का मुआवजा निर्धारित किया गया।

प्रशासनिक जवाबदेही तय : यह फैसला प्रशासन के लिए एक नजीर बन सकता है, जिससे भविष्य में सरकार और स्थानीय निकाय अपनी जिम्मेदारी निभाने के प्रति अधिक गंभीर होंगे।

फैसले का व्यापक प्रभाव : यह फैसला सिर्फ एक परिवार को न्याय दिलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रशासन को उसकी जिम्मेदारी का अहसास कराता है। यदि स्थानीय प्रशासन अपनी भूमिका निभाने में विफल रहता है, तो ऐसे मामलों में कानूनी कार्रवाई आगे भी जारी रह सकती है।

पढ़ाई से बचने के लिए स्कूलों को दी थी बम से उड़ाने की धमकी, पुलिस ने 9वीं के छात्र को हिरासत में लिया

नोएडा । आरएनएस

नौवीं कक्षा के छात्र ने पढ़ाई से बचने के लिए मंगलवार रात नोएडा सेक्टर -126 स्थित ज्ञानश्री, मयूर पब्लिक स्कूल, द हेरिटेज व स्टेप बाय स्टेप स्कूल को ई-मेल भेजकर बच्चों को क्रूरता से मारने व बम से उड़ाने की धमकी दे दी। अगली सुबह 8:30 बजे स्कूल प्रबंधकों के ई-मेल चेक करते ही होश उड़ गए। पुलिस ने ईमेल भेजने वाले की पहचान एक छात्र के रूप में कर देर रात मामले का खुलासा कर दिया।

डीसीपी रामबदन सिंह ने बताया कि चारों स्कूल को ई-मेल मंगलवार रात 12 बजे आई थी। सुबह साढ़े आठ बजे प्रबंधन ने सिस्टम पर ई-मेल चेक की तो तुरंत प्रिंसिपल और अन्य पदाधिकारियों को मामले की सूचना दी गई। इस बीच चारों स्कूल में पढ़ाई शुरू हो चुकी थी। प्रबंधन ने पुलिस अधिकारियों को सूचना देकर ई-मेल चेक कराई। चारों स्कूल की ई-मेल में लिखा था कि सभी बच्चों को मारकर बदला लूंगा। स्कूलों की तरफ से बम की सूचना पर एडीसीपी सुमित कुमार शुक्ला, एसीपी प्रवीण कुमार और थाना प्रभारी ने बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वाड और भारी संख्या में पुलिस बल के साथ जांच शुरू कर दी।

स्कूल परिसर को पूरी तरह खाली कराने के बाद दो घंटे की जांच में टीम को कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। टीम को लिंक मिला तो ईमेल भेजने वाली की पहचान एक छात्र के रूप में हुई। उसने बात करने पर पता चला कि वह नोएडा के ही एक स्कूल में कक्षा नौवीं की पढ़ाई करता है। बुधवार को उसका स्कूल जाकर पढऩे का मन नहीं था। लिहाजा उसने स्कूल को धमकी भरा ई मेल भेजने की योजना बनाई। छात्र ई मेल लिख ही रहा था कि वह उसे खुद के पकड़े जाने की डर सताने लगा। इससे बचने के लिए उसने गूगल से अन्य तीन स्कूलों की ईमेल आईडी लेकर उन्हें भी धमकी भरा मेल भेज दिया।

कई लोगों की देखी लाशें, 1 करोड़ खर्च किया, अमेरिका से डिपोर्ट हुए लोगों ने बताई 'डंकी रूट' की दास्तां

नई दिल्ली । आरएनएस

अमेरिका ने 104 भारतीयों को वतन वापिस भेज दिया है। डिपोर्ट होकर भारत पहुंचे लोगों ने कई खुलासे किए है। जसपाल सिंह ने दावा किया कि पूरी यात्रा के दौरान उन्हें हथकड़ी और पैरों में बेड़ियां बांधी गईं और अमृतसर हवाई अड्डे पर उतरने के बाद ही उन्हें हटाया गया।

गुरदासपुर जिले के हरदोरवाल गांव के रहने वाले 36 वर्षीय सिंह ने बताया कि 24 जनवरी को अमेरिकी सीमा पार करने के बाद उन्हें अमेरिकी सीमा गश्ती दल ने पकड़ लिया था। विभिन्न राज्यों से 104 अवैध प्रवासियों को लेकर एक अमेरिकी सैन्य विमान बुधवार को यहां उतरा। अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई के तहत डोनाल्ड ट्रंप सरकार द्वारा वापस भेजा गया यह भारतीयों का पहला जत्था है। गृह नगर पहुंचने के बाद जसपाल ने बताया कि एक ट्रैवल एजेंट ने उनके साथ धोखाधड़ी की है, क्योंकि उनसे वादा किया गया था कि उन्हें कानूनी तरीके से अमेरिका भेजा जाएगा। जसपाल ने कहा, मैंने एजेंट से कहा था कि वह मुझे उचित वीजा (अमेरिका के लिए) के साथ भेजे। लेकिन उसने मुझे धोखा दिया। उन्होंने बताया कि सौदा 30 लाख रुपए में हुआ था। जसपाल ने दावा किया कि वह पिछले साल जुलाई में हवाई जहाज से ब्राजील पहुंचा था। उसने कहा कि वादा किया गया था कि अमेरिका की अगली यात्रा भी हवाई जहाज से ही होगी। हालांकि उसके एजेंट ने उसे धोखा दिया, जिसने उसे अवैध रूप से सीमा पार करने के लिए मजबूर किया।

ब्राजील में छह महीने रहने के बाद वह सीमा पार कर अमेरिका चला गया, लेकिन अमेरिकी सीमा गश्ती दल ने उसे गिरफ्तार कर लिया। जसपाल ने बताया कि उसे वहां 11 दिनों तक हिरासत में रखा गया और फिर वापस घर भेज दिया गया। जसपाल ने कहा कि उसे नहीं पता था कि भारत भेजा जा रहा है। वहीं, होशियारपुर के टाहली गांव के रहने वाले हरविंदर सिंह ने बताया कि वह पिछले साल अगस्त में अमेरिका के लिए रवाना हुए थे। उन्हें कतर, ब्राजील, पेरू, कोलंबिया, पनामा, निकारागुआ और फिर मैक्सिको ले जाया गया। उन्होंने बताया कि मैक्सिको से उन्हें अन्य लोगों के साथ अमेरिका ले जाया गया।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा, हमने पहाडिय़ां पार कीं। एक नाव, जो उन्हें अन्य व्यक्तियों के साथ ले जा रही थी, समुद्र में डूबने वाली थी, लेकिन हम बच गए। सिंह ने कहा कि उन्होंने एक व्यक्ति को पनामा के जंगल में मरते हुए तथा एक को समुद्र में डूबते हुए देखा। सिंह ने बताया कि उनके ट्रैवल एजेंट ने वादा किया था कि उन्हें पहले यूरोप और फिर मैक्सिको ले जाया जाएगा। उन्होंने बताया कि अमेरिका की अपनी यात्रा के लिए उन्होंने 42 लाख रुपए खर्च किए। उन्होंने कहा, कभी-कभी हमें चावल मिल जाता था। कभी-कभी हमें खाने को कुछ नहीं मिलता था। हमें बिस्कुट मिलते थे। एक अन्य व्यक्ति ने अमेरिका जाने के लिए इस्तेमाल किए गए 'डंकी रूट' के बारे में बताया। उन्होंने कहा, रास्ते में हमारे 30,000-35,000 रुपये के कपड़े चोरी हो गए। निर्वासित व्यक्ति ने बताया कि उसे पहले इटली और फिर लैटिन अमेरिका ले जाया गया। उन्होंने बताया कि नाव से 15 घंटे लंबी यात्रा करनी पड़ी और 40-45 किलोमीटर पैदल चलना पड़ा। उन्होंने कहा, हमने 17-18 पहाडिय़ां पार कीं।

एमपी के उमरिया में भिड़े दो ट्रक, 3 महिलाओं समेत 4 की मौत

उमरिया । आरएनएस

मध्य प्रदेश के उमरिया में गुरुवार सुबह दो ट्रकों के बीच भीषण टक्कर हुई है। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

मामला पाली थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच 43 का है। बताया जा रहा है कि यह हादसा सुबह साढ़े सात बजे के आसपास हुआ। शहडोल की तरफ से आ रहे ट्रक की उमरिया की तरफ जा रहे ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना दर्दनाक था कि ट्रकों के परखच्चे उड़ गए।

दोनों ट्रकों में सवार चार लोगों की मौत हो गई, जिसमें तीन महिलाएं भी शामिल हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना के दौरान 17 वर्षीय युवती जीवित बची थी और उसने बचाने की गुहार लगाई थी, लेकिन घटना के दो घंटे तक 108 एंबुलेंस मौके पर नहीं पहुंची और इसके कारण उसकी भी मौत हो गई।

वहीं, इस हादसे के बाद सडक़ पर जाम लग गया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतकों के शवों को ट्रकों से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। साथ ही गंभीर रूप से घायल हुए दो लोगों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है।

मृतकों में एक महिला की शिनाख्त पार्वती बाई निवासी ग्राम बुडऩा के रूप में हुई है। जबकि बाकी मृतकों एवं घायलों की शिनाख्त नहीं हो पाई है।

नए अंदाज में होगी 'परीक्षा पे चर्चा', पीएम मोदी समेत सिनेमा और खेल जगत के दिग्गज भी देंगे छात्रों को टिप्स

नई दिल्ली । आरएनएस

'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम नए कलेवर में छात्रों के सामने होगा। सवालों का जवाब सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी ही नहीं देंगे, बल्कि देश के कई दिग्गज भी देंगे। पहले पीएम मोदी छात्रों को परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन और तनावमुक्त रहने के टिप्स देते थे, लेकिन इस बार फिल्म अभिनेत्री दीपिका पादुकोण, अभिनेता विक्रांत मैसी, अभिनेत्री भूमि पेडनेकर और खेल जगत के कई दिग्गज भी जरूरी टिप्स देते नजर आएंगे। दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में 10 फरवरी को होने वाली परीक्षा पर चर्चा के लिए छात्र भी बेहद उत्साहित हैं।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा परीक्षा पे चर्चा (पीपीसी), परीक्षा से जुड़े तनाव को सीखने के उत्सव में बदलने की पहल है। इसके 8वें संस्करण में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई। वर्ष 2018 में परीक्षा पे चर्चा एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन के रूप में विकसित हुआ है, जिसने वर्ष 2025 में अपने 8वें संस्करण के लिए 3.56 करोड़ पंजीकरण प्राप्त किए हैं। ये 7वें संस्करण में 2.26 करोड़ पंजीकरण हुए थे, जो 1.3 करोड़ पंजीकरणों की उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है। परीक्षा पे चर्चा न केवल एक लोकप्रिय कार्यक्रम बन गया है, बल्कि यह एक जन आंदोलन में भी बदल गया है। यह पूरे देश में छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के साथ गहराई से जुड़ गया है। परीक्षा के तनाव को दूर करने और छात्रों को परीक्षाओं को एक त्योहार – उत्सव के रूप में देखने के लिए प्रोत्साहित करता है।

परीक्षा पे चर्चा में अधिकतम भागीदारी मानसिक सेहत और समग्र शिक्षा के महत्व के बारे में बढ़ती जागरूकता और स्वीकृति को दर्शाती है। कार्यक्रम का इंटरैक्टिव प्रारूप, जिसमें छात्रों, शिक्षकों और प्रधान मंत्री के बीच खुला संवाद शामिल है, ने इसकी सफलता में और योगदान दिया है। परीक्षा पे चर्चा को जन आंदोलन के रूप में और मजबूत करने के लिए 12 जनवरी 2025 (राष्ट्रीय युवा दिवस) से 23 जनवरी 2025 (नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती) तक स्कूल स्तर पर कई आकर्षक गतिविधियां आयोजित की गईं। राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में आयोजित इन गतिविधियों का उद्देश्य छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को परीक्षा पे चर्चा को एक उत्सव के रूप में मनाने में शामिल करना था। कुल 1.42 करोड़ छात्र, 12.81 लाख शिक्षक और 2.94 लाख स्कूलों ने भाग लिया। ये गतिविधियां तनाव को कम करने, ध्यान केंद्रित करने और परीक्षा के दौरान और उसके बाद प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए डिजाइन की गई थीं।

छात्रों को खो-खो और कबड्डी जैसे स्वदेशी खेलों, छोटी दूरी की मैराथन, रचनात्मक मीम प्रतियोगिता, आकर्षक नुक्कड़ नाटक प्रदर्शनों और आकर्षक पोस्टर बनाने सहित विविध प्रकार की गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। उन्हें छात्र प्रशंसापत्रों के माध्यम से अपने अनुभव साझा करने, छात्र-नेतृत्व वाली चर्चाओं में भाग लेने और विश्राम और मन की शांति विकसित करने के लिए योग और ध्यान सत्रों में शामिल होने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया। स्कूलों ने विद्यार्थियों के लिए नाटकों का आयोजन किया, कार्यशालाएं आयोजित कीं तथा अपने विचार साझा करने के लिए विशेष अतिथियों को आमंत्रित भी किया।